रजि. 2199-57 ✽ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ✽ अक्टूबर-दिसम्बर, 2025

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-70 अंक : 04

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.

Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com

http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर साक्षरता निकेतन स्थित प्रार्थना भवन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने महात्मा गाँधी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा प्रकट की। इस अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर की समस्त इकाईयों के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अपने सम्बोधन में अध्यक्ष महोदय ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और शास्त्री जी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी द्वारा दी गई अहिंसा की शिक्षा और शास्त्री जी का राष्ट्र प्रेम हमारे लिए आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ☐☐☐

कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर में आयोजित हुआ किसान मेला एवं संगोष्ठी

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा इफको के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13 दिसम्बर, 2025 को युवा किसान विद्यापीठ, कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर, चन्द्रावल रोड, विकास खण्ड-सरोजनीनगर, लखनऊ में एक वृहद् किसान मेला एवं संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। किसान मेला एवं संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री रविन्द्र, आई.ए.एस. प्रमुख सचिव (कृषि), उत्तर प्रदेश शासन तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं यू.पी. रेरा के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के दौरान निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), डॉ. आर. के. नायक, उप महाप्रबन्धक, इफको, श्री अजय कृष्ण, संयुक्त निदेशक (कृषि), लखनऊ मण्डल, तथा प्रतिभागी विभागों/संस्थाओं के अधिकारियों के साथ-साथ इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, विशेष कार्याधिकारी, श्री सुधाकर मान सिंह, प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी आदि भी उपस्थित रहे।

मेला आयोजन हेतु वेल्दी फिशर इण्डाउमेन्ट फण्ड से रुपए 3:00 लाख की धनराशि तथा इफको के माध्यम से रुपए 1:00 लाख की सीमा तक वित्तीय सहयोग तथा किसानों को इफको के उत्पादों के मिनी किट का निःशुल्क वितरण कराया गया। संगोष्ठी में कृषि की आधुनिकतम तकनीकों के प्रयोग, पर्यावरण संवेदनशीलता, जल-प्रबन्धन, उर्वरक एवं कीटनाशक का सन्तुलित प्रयोग, कृषकों हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं आदि की जानकारी दी गयी। किसान मेला में इफको, कृषि, पशुपालन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, केन्द्रीय औषधि एवं सगंध पौध संस्थान, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ, बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, हैदरगढ़, बाराबंकी, नूजीवीडू सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ के साथ ही अन्य स्थानीय एग्रो एवं फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनियों ने अपने स्टाल लगाए। जिसमें कृषकों को सम्बन्धित नवीनतम उपयोगी जानकारी दी गई। किसान मेला में कृषकों को इफको की ओर से निःशुल्क सब्जी के बीज के किट वितरित किए गए।

प्रमुख सचिव (कृषि), उत्तर प्रदेश शासन श्री रविन्द्र, आई.ए.एस. के साथ ही अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी में लगाये गये स्टालों का निरीक्षण किया गया तथा प्रदर्शित कृषि तकनीक एवं उत्पादों की जानकारी प्राप्त की गयी।

मेले में विकास खण्ड सरोजनीनगर एवं मोहनलालगंज के लगभग 350 प्रगतिशील पुरुष एवं महिला किसानों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। मेला परिसर में पेयजल एवं शुष्क शौचालय की व्यवस्था नगर निगम के सहयोग से तथा उनके खान-पान की व्यवस्था इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा कराई गई।

कृषक गोष्ठी का आयोजन : किसान मेला के दौरान आयोजित संगोष्ठी में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी ने अपने उद्बोधन में बताया कि ग्राम बिजनौर एवं नीवां के माध्यम से स्थानीय कृषकों हेतु प्रतिवर्ष यह आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर उप महाप्रबन्धक, इफको डॉ. आर. के. नायक, प्रमुख सचिव (कृषि), उ.प्र. श्री रविन्द्र ने भी सम्बोधित किया। श्री प्रवीन टण्डन, सलाहकार, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा किसान मेला एवं संगोष्ठी के आयोजन की पृष्ठभूमि तथा कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया गया।

प्रगतिशील किसानों का सम्मान : मुख्य अतिथि श्री रविन्द्र, आई.ए.एस. प्रमुख सचिव (कृषि), उत्तर प्रदेश शासन तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं यू.पी. रेरा के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के द्वारा संयुक्त रूप से पाँच प्रगतिशील किसानों क्रमशः 1. श्री धर्मचन्द्र निवासी ग्राम-माती, सरोजनी नगर, लखनऊ को जनपद में सरसों के सर्वाधिक उत्पादन, 2. श्री सन्तोष कुमार निवासी ग्राम बन्थरा, सरोजनीनगर, लखनऊ को फूलों की खेती, 3. श्री विनोद कुमार निवासी ग्राम-राजाखेड़ामऊ, मोहनलालगंज, लखनऊ को शाक-सब्जी उत्पादन, 4. श्री सिरताज सिंह निवासी ग्राम-माती, सरोजनीनगर, लखनऊ को मिश्रित खेती एवं पशुपालन कार्य तथा 5. श्री सुरेश कुमार निवासी ग्राम-मकदूमपुर कैथी, सरोजनीनगर, लखनऊ को जैविक खेती एवं अमरूद की नई प्रजाति ताईवान पिंक की खेती के लिए शॉल एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

तकनीकी सत्र : तकनीकी सत्र में डॉ. अजय कृष्ण, संयुक्त कृषि निदेशक, लखनऊ मण्डल, डॉ. दीपक वर्मा, वैज्ञानिक, सीमैप, श्री जगदीश यादव, गन्ना प्रबन्धक, बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, डॉ. अशोक कुमार सिंह, पशु चिकित्साधिकारी, सरोजनी नगर, श्री सुरेश कुमार राजपूत, सलाहकार, कृषि विभाग, श्री हेमन्त निराला, निदेशक, निराला हर्बल बायो एनर्जी प्रोड्यूसर कम्पनी तथा श्री सुरेश कुमार, प्रगतिशील कृषक, मकदूमपुर कैथी, सरोजनी नगर द्वारा किसानों को उपयोगी जानकारी प्रदान की गयी। उपस्थित कृषकों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन हेतु भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस अवसर पर डॉ. आनन्द श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबन्धक विपणन, इफको, नई दिल्ली के द्वारा नैनो डी.ए.पी., नैनो यूरिया, सागारिका आदि के प्रयोग की विधि व उससे होने वाले लाभ पर विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से कम लागत तथा कम समय में कीटनाशक एवं उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन भी किया।

प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम : कृषक गोष्ठी में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन श्री सुरेश कुमार राजपूत, कृषि सलाहकार, कृषि विभाग, उ.प्र. द्वारा प्रक्षेत्र प्रबन्धक, बिजनौर एवं नीवां के सहयोग से किया गया, जिसमें पूछे गये सवालों का सही उत्तर देने वाले 20 प्रगतिशील महिला एवं पुरुष कृषकों को इफको द्वारा उपलब्ध कराई गई किट प्रदान की गई।

ड्रोन प्रदर्शन : किसान मेला के दौरान उपस्थित प्रगतिशील कृषकों के समक्ष ड्रोन के माध्यम से नैनो डी.ए.पी. का छिड़काव कराकर दिखाया गया तथा ड्रोन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। अनेक कृषकों ने ड्रोन का प्रदर्शन प्रथम बार देखा।

अन्त में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन ने उपस्थित अतिथियों, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के कर्मचारियों, विभिन्न विभागों/निजी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, नगर निगम, मीडिया कर्मियों, प्रगतिशील कृषकों आदि का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। ☐☐☐

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर एवं नीवां की गतिविधियाँ

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अन्तर्गत संचालित नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर दिनांक 26-28 नवम्बर, 2025 को एवं बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर दिनांक 01-03 दिसम्बर, 2025 को तीन दिवसीय 02 कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 74 किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों द्वारा रबी की फसल में गेहूँ तथा सरसों की खेती-समस्याएँ एवं निदान, गन्ना की खेती, गन्ना उत्पादन विधि, आवश्यकता एवं लाभ तथा शीतऋतु में बोई जाने वाली सब्जियों की खेती की जानकारी दी गयी। मृदा स्वास्थ्य एवं प्रबन्धन आवश्यकता एवं लाभ के बारे में पूर्ण जानकारी के साथ ही मोटे अनाज की खेती के बारे में भी बताया गया। नैनो यूरिया एवं नैनो डी.ए.पी. का फसलों में प्रयोग, विधि एवं उसके लाभ तथा कृषि निवेश प्रबन्धन, कृषि विविधिकरण से किसानों की आय दोगुनी करने के उपाय के बारे में विधिवत बताया गया। निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा जूट बैग में प्रशिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। ▭▭▭

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	न्यायमूर्ति श्री एस.यू. खान (से.नि.)	सदस्य
4.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री संजीव चोपड़ा, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	श्री अमर सिंह वित्त अधिकारी (से.नि.)	सदस्य
9.	प्रोफेसर जे.वी. वैशम्पायन, शिक्षाविद्	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री रमेश चन्द्र यादव, प्रभारी परिसर/स्टोर कीपर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

भू-सम्पदा (रेरा) के अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा उ. प्र. भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के मध्य हुई सहमति के क्रम में भू सम्पदा अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण साक्षरता निकेतन परिसर में आयोजित किया गया। इस क्रम में क्रमशः चार प्रशिक्षण कार्यक्रम माह नवम्बर व दिसम्बर में आयोजित हुए। जिसमें दिनांक 08 से 11 अक्टूबर, 2025 के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 39 प्रशिक्षणार्थियों को, दिनांक 12 से 15 नवम्बर, 2025 को 59 प्रशिक्षणार्थियों को, दिनांक 26 से 29 नवम्बर, 2025 को 45 प्रशिक्षणार्थियों को तथा 17 से 20 दिसम्बर, 2025 तक 47 प्रशिक्षणार्थियों को भू-सम्पादा अधिनियम के अर्न्तगत विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर वांछित जानकारी प्रदान की गई। आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 जनवरी, 2026 से 10 जनवरी, 2026 तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। ☐☐☐

डॉ. वेल्दी फिशर की पुण्यतिथि का आयोजन

साक्षरता निकेतन की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर की पुण्य तिथि 16 दिसम्बर के अवसर पर निकेतन परिसर में सुभाष हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धा प्रकट की गई। कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ. फिशर के अथक प्रयास से लखनऊ में साक्षरता निकेतन की स्थापना ग्रामीण व्यस्कों को लिखना-पढ़ना सिखाने के उद्देश्य से हुई। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन शिक्षा के प्रसार और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित किया। शिक्षा की देवी डॉ. फिशर का 16 दिसम्बर 1980 को निधन हो गया। साक्षरता निकेतन परिसर की समस्त इकाईयों द्वारा प्रतिवर्ष 16 दिसम्बर को उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया जाता है। डॉ. फिशर के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनका जीवन हमें त्याग, समर्पण और समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित हुए। ☐☐☐

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-70, अंक : 04
अक्टूबर-दिसम्बर, 2025

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ : स्कूल में छात्रों को पढ़ाई के अतिरिक्त अन्य जीवनोपयोगी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण दिन और त्योहार मनाए गए। इसमें राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और शास्त्री जी की जयन्ती दिनांक 02 अक्टूबर, 2025 को आयोजित की गई।

इसके अतिरिक्त छात्रों की प्रतिभा आकलन के लिए होम डेकोरेशन, फेस पेंटिंग, सामान्य ज्ञान (जीके) क्विज, हिन्दी-इंग्लिश निबन्ध, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। छात्रों ने इन आयोजनों का भरपूर आनन्द लिया।

सामान्य ज्ञान (जी.के.) क्विज : अकादमी के कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। IPN फाउन्डेशन के माध्यम से आयोजित पहले राउन्ड में जूनियर और सीनियर श्रेणी के विजयी छात्रों को पायनियर माण्टेसरी कालेज सेक्टर 3, एल्डिको कालोनी, लखनऊ में फाइनल राउन्ड के लिए भेजा गया। इसमें अकादमी छात्रों के साथ कोआर्डिनेटर श्री राजकमल मिश्रा भी गए जिन्होंने छात्रों के साथ अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। प्रतियोगिता के फाइनल राउन्ड में चुने गए छात्रों को प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा (DIET) के माध्यम से अकादमी के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के लिए दिनांक 10 से 14 नवम्बर, 2025 तक एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें प्राइमरी सेक्शन से पाँच दिवसीय प्रशिक्षण में सुश्री दिव्यांश्री गंटानी और सीनियर सेक्शन से तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सुश्री नरूशीन लिचिदुल ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विषयवार प्रशिक्षण में प्रशिक्षित दोनों शिक्षकों ने वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के टीचिंग स्टाफ के समक्ष अपने प्रशिक्षण सम्बन्धी अनुभवों को साझा किया।

द्वितीय एलुमनाई मीट : वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों की द्वितीय एलुमनाई मीट का आयोजन साक्षरता निकेतन के कबीर थिएटर में दिनांक 15 नवम्बर, 2025 का सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, श्री संजय आर भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) और निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड सुश्री सन्ध्या तिवारी आई.ए.एस. (से.नि.) ने दीप प्रज्जवलित कर और डॉ. वेल्दी फिशर की मूर्ति पर माला एवं पुष्प अर्पित कर किया। अकादमी के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अकादमी की प्रधानाचार्या तथा शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। आयोजन में अकादमी के पूर्व छात्रों ने भी अपनी सहभागिता की।

आयोजित हुई पुण्य तिथि : साक्षरता की देवी डॉ. वेल्दी फिशर की पुण्य तिथि दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 के अवसर पर अकादमी की प्रधानाचार्या सुश्री शालिनी सक्सेना ने डॉ. फिशर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया और पुष्पमाला अर्पित कर अपनी श्रद्धा प्रकट की। अकादमी के कक्षा 8 व 9 के छात्रों ने 'अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ' की थीम पर गीत प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी का आयोजन : वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी परिसर में दिनांक 23.12.2025 को साइंस, आर्ट और क्राफ्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा 2 से 6 तक के छात्रों ने आर्ट और क्राफ्ट तथा कक्षा 6 से 8 के छात्रों ने साइंस के उपयोगी माडल बनाए। निदेशक महोदया ने छात्रों से साइंस माडल से सम्बन्धित प्रश्न पूछे, जिनका सभी छात्रों ने संतोषजनक उत्तर दिया। कक्षा 7, 8, 9 के छात्रों द्वारा एक फेट आयोजित की गई। इसमें खाने-पीने की चीजों के स्टाल लगाए गए और विभिन्न खेल आयोजित हुए। आयोजन का छात्रों के माता-पिता और पूर्व छात्रों ने भरपूर आनन्द लिया।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

गाँधी जयन्तीः जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में गाँधी जयन्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के चित्र पर निदेशक तथा संस्थान के कर्मचारियों द्वारा माल्यार्पण कर गाँधी जी द्वारा बताये गये आदर्श मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर ने कहा कि गाँधी जी ने सत्य एवं अहिंसा के सिद्धान्तों से देश को आजादी दिलाई और सम्पूर्ण विश्व को प्रेम एवं शान्ति का मार्ग दिखाया। उनका जीवन सादगी और सत्य का प्रतीक है। कार्यक्रम में श्री विवेक कुमार वर्मा, श्रीमती रुचि गुप्ता, प्रशिक्षिका शिखा शर्मा एवं संस्थान के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का आयोजन : दिनांक 06 से 08 अक्टूबर, 2025 तक संस्थान के कार्यालय परिसर में प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दत्तोपन्त ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया आजीवन चलती रहती है। इससे व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

उक्त अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने कहा कि व्यक्तित्व विकास से आत्मविश्वास, संचार कौशल, अनुकूलनशीलता जैसे गुणों का विकास होता है। इससे व्यक्ति अपने जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होता है।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, श्री सुनील कुमार शुक्ला, श्रीमति रुचि गुप्ता, श्री विवेक कुमार वर्मा, प्रशिक्षिका शिखा शर्मा, निशात फातिमा एवं असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा ब्यूटी केयर असिस्टेंट प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

मेंहदी स्टाल का आयोजन : दिनांक 9 अक्टूबर, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में करवा चौथ त्यौहार की पूर्व संध्या पर ब्यूटी केयर असिस्टेंट के प्रतिभागियों द्वारा आय में वृद्धि हेतु मेंहदी स्टॉल लगाया गया।

प्रमाण-पत्र वितरण : दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 को विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत कोबलर एवं बारबर प्रशिक्षण केन्द्रों तथा संस्थान द्वारा संचालित ब्यूटी केयर असिस्टेंट के सफल प्रतिभागियों को संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया और ऋण योजनाओं की जानकारी दी गयी।

मोमबत्ती मेकिंग एवं डेकोरेटिव का प्रशिक्षण : दीवाली पर्व के अवसर पर संस्थान द्वारा दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 से तीन दिवसीय कैंडिल मेकिंग एवं डेकोरेटिव बनाने का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें प्रशिक्षिका निशात फातिमा, शिखा शर्मा एवं प्रीती गुप्ता ने प्रशिक्षणार्थियों को डिजायनर दिये एवं मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस : दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में "राष्ट्रीय एकता दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने प्रशिक्षणार्थियों को "भारत के लौह पुरुष" सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा भारत को एकजुट करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर

श्रीवास्तव, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री सुनील कुमार शुक्ला, फील्ड असिस्टेंट कम क्लर्क श्री विवेक कुमार वर्मा, संस्थान की प्रशिक्षिकाएं एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

डिजिटल लिटरेसी कार्यक्रम : दिनांक 07 नवम्बर, 2025 को संस्थान के बक्तौरीपुरवा, नौबस्ता स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा "स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इसमें सेन्ट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज के स्मार्ट ट्रेनर श्री ओंकार पाल ने लाभार्थियों को निवेश, बैंक ई-केवाईसी तथा डिजिटल लेन-देन की जानकारी साझा की।

जनजातीय गौरव दिवस : दिनांक 15 नवम्बर, 2025 को संस्थान के कार्यालय परिसर में "जन जातीय गौरव दिवस कार्यक्रम" आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के द्वारा जनजातीय भूमि छीनने वाली शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ नेतृत्व किया था। उनके आन्दोलन के कारण ही छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (1908) पारित हुआ, जिसने जनजातीय भूमि स्वामित्व की रक्षा की।

ऑनलाइन व्यापार हेतु कार्यशाला का आयोजन : दिनांक 25 नवम्बर, 2025 को संस्थान के कार्यालय परिसर में ऑनलाइन व्यापार को बढ़ावा देने हेतु एक कार्यशाला आयोजित की गई। श्री विकास आनन्द, कोआर्डिनेटर, Meesho-e-commerce company द्वारा प्रतिभागियों के लिए ई-कामर्स के विषय में प्रोडक्ट ब्राण्डिंग तथा कम्पनी से जुड़कर व्यापार करने की जानकारी दी गयी। संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा प्रतिभागियों को ई-कामर्स से जुड़कर अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रतिभागियों को दिलाई संविधान की शपथ : दिनांक 26 नवम्बर, 2025 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा संविधान में उल्लिखित मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्य एवं न्याय पालिका के विषय में व्याख्यान करते हुए संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी आयोजित किया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं सदस्यों ने प्रस्तावना में दिए गए आदर्शों को अंगीकृत करने की शपथ ली।

क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा पिडिलाइट इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से दिनांक 18 से 20 दिसम्बर, 2025 तक तीन दिवसीय क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन कार्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में पिडीलाइट कम्पनी के प्रशिक्षक श्री अनिल मल्होत्रा द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क हैण्ड फैब्रिक पेन्टिंग, गारमेन्ट्स डेकोरेशन, क्ले मॉडलिंग प्रोजेक्ट, ग्लास पेन्टिंग एवं केमिकल इम्ब्राइडरी सम्बन्धी जानकारी दी गयी।

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

मेंहदी कैम्प का आयोजन : करवाचौथ के अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर में संचालित ब्यूटी केयर असिस्टेंट के प्रशिक्षार्थियों द्वारा साक्षरता निकेतन परिसर के मुख्य द्वार पर दिनांक 09 व 10 अक्टूबर 2025 को मेंहदी कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में मेंहदी लगवाने के लिए आई महिलाओं द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के हुनर को सराहा गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस : जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा 31 अक्टूबर 2025 को माननीय अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी के मार्गदर्शन में देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती को एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस उपलक्ष्य में निकेतन परिसर के अभ्यर्थियों ने सर्वप्रथम एकता की शपथ ली तथा उसके पश्चात एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही संस्थान के समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती के अवसर पर एकता शपथ एवं विचार गोष्ठी अयोजित हुई। कार्यक्रम मे लगभग 150 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

जागरूकता कार्यक्रम : जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के अन्तर्गत भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 1 से 15 नवम्बर, 2025 तक जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत संगोष्ठी, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया।

संस्थान के निदेशक श्री सौरभ खरे ने बताया कि इस अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर के साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

संविधान दिवस का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान साक्षरता निकेतन लखनऊ द्वारा दिनांक 26 नम्बम्बर, 2025 को संविधान दिवस का शुभारम्भ इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं जन शिक्षण संस्थान लखनऊ के माननीय अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा सुभाष हॉल में समस्त कार्मिकों को संविधान की शपथ दिलाकर किया गया। संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी संविधान की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने उपस्थित प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर होकर राष्ट्र को सशक्त बनाने हेतु प्रेरित किया।

संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने बताया कि आयोजन में लगभग 500 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर ब्यूटी एवं वेलनेस सेक्टर के सफल लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये।

गोष्ठी का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान लखनऊ द्वारा विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 01 दिसम्बर 2025 को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के माध्यम से युवाओं को एड्स दिवस की जानकारी एवं इससे बचाव के उपायों के प्रति जागरुक किया गया।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी : इंडिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ एवं इफको के संयुक्त तत्वाधान में बिजनौर फार्म हाउस पर दिनांक 13.12.2025 को आयोजित किसान मेले में संस्थान के प्रशिक्षित लाभार्थियों द्वारा निर्मित हस्त उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसकी किसानों एवं जन सामान्य द्वारा काफी सराहना की गयी। □□□

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय एकता दिवस : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यकर्ता, मुख्य संदर्भदाता श्रीमती सीता देवी, प्रशिक्षणार्थी, स्थानीय महिलाएँ व बच्चे उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्यरूप से राष्ट्रीय एकता की भावना जगाने व सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद किया और उनके आदर्श से प्रेरणा लेकर देश सेवा के संकल्प के लिए प्रेरित किया गया।

जन जातीय गौरव दिवस : दिनांक 15 नवम्बर, 2025 को भगवान बिरसा मुण्डा जी की जयन्ती को 'जन जातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया गया। यह आयोजन डॉक्टरगंज विकासनगर के पंचायती भवन सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जन जातीय समाज के जानकार श्री मंगल सिंह चौहान जी, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक, श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, संदर्भदाता श्रीमती बालारानी, श्रीमती वन्दना थपलियाल प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाएँ उपस्थित हुईं। कार्यक्रम में मुख्यरूप से जन जातीय समाज की भावना जगाने व 'भगवान बिरसा मुण्डा' के योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में श्री मंगल सिंह चौहान ने बताया कि भगवान बिरसा ने 19 वीं शताब्दी के अन्त में आधुनिक झारखण्ड और बिहार के आदिवासी क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन के दौरान एक भारतीय आदिवासी धार्मिक आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने अपने अनुयायियों से अपने गौरवपूर्ण अतीत को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया।

ऋण मेले का आयोजन : दिनांक 12.11.2025 जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के लिए हरिपुर, कालसी विकास खण्ड के तहत एक ऋण मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून की सहायक प्रबन्धक सुश्री प्रियंका, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, सुश्री अर्चना, प्रधान व्यास भूड़, सुश्री सविता चौहान, प्रधान हरिपुर, सुश्री कृष्णा प्रधान व्यास नहरी, सुश्री ममता, प्रधान कालसी, व वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाओं के अलावा जन सामान्य ने भी प्रतिभाग किया।

लोन मेला कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र देहरादून की सहायक प्रबन्धक सुश्री प्रियंका जी द्वारा पी.एम. विश्वकर्मा, प्रधान मंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्य मंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अतिसूक्ष्म के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत निम्न गतिविधियाँ अनुमन्य हैं- पारम्परिक कृषि को छोड़कर अन्य सभी व्यावसायिक गतिविधियाँ यथा- गौ पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, जनरल स्टोर, हार्डवेयर स्टोर आदि। उपरोक्त योजना के लिए आवश्यक दस्तावेजों में- स्थायी निवास/मूल निवास प्रमाण पत्र आधार कार्ड, फोटो, जाति प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, शपथ पत्र आदि उपलब्ध होने चाहिए।

जन शिक्षण संस्थान ने स्वरोजगार योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 15.11.2025 के दिन डॉक्टर गंज, विकासनगर विकास खण्ड के तहत ऋण मेले का आयोजन किया। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री गौरव नेगी ने लाभार्थियों

को केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

इसी क्रम में जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा केन्द्रीय व राज्य स्तरीय अनेकों स्वरोजगार योजनाओं से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराने के लिए दिनांक 17.11.2025 को शंकरपुर रोड, सहसपुर में जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री शंकर सिंह के मार्गदर्शन में तथा दिनांक 18.11.2025 को जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री स्वराज गुसांई, स्थानीय पार्षद श्री सोनू कुमार, सुश्री मीनाक्षी मौर्या के मार्गदर्शन में एवं दिनांक 20.11.2025 को जन शिक्षण संस्थान देहरादून द्वारा केन्द्र व राज्य सरकारों की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी देने हेतु जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री विमल बिजल्वाण के निर्देशन में ऋण मेले का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय उप प्रधान श्री विनोद कुमार, संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी संदर्भदाता श्रीमती नीलम वर्मा व वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाओं के अलावा जन सामान्य ने भी प्रतिभाग किया। लोन मेला कार्यक्रम में अतिथियों ने पी. एम. विश्वकर्मा, प्रधान मंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्य मंत्री स्वरोजगार योजना आदि की विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम : प्रतिभागी इस योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन हेतु वेबसाइट www.abiconline.gov.in पर परियोजना / ईकाई का प्रस्ताव दे सकते हैं। इस योजना के अन्तर्गत अधिकतम लागत रुपये 50.00 लाख तथा सेवा क्षेत्र के लिए स्वीकार्य अधिकतम लागत रुपये 20.00 लाख है।

इस योजना में चाय, कॉफी, रबर आदि के बागान सहित फसलों के खेती से जुड़े उद्यम/कार्य, रेस्टोरेण्ट, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, आटा चक्की, साइबर कैफे आदि व्यवसाय शामिल हैं। योजना में 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाले पॉलीथीन की थैलियों का विनिर्माण और रिसाइकिल प्लास्टिक से बने थैले आदि का उत्पादन निषिद्ध है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना : इस योजना के अन्तर्गत विनिर्माण, प्रसंस्करण, व्यापार या सेवा गतिविधियों हेतु एम.एस.एम.ई. 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करती है। ये ऋण बैंकों और अन्य ऋण देने वाली संस्थाओं द्वारा माईक्रो यूनिट डेवलपमेण्ट एण्ड रिफाईनेश एजेन्सी लिमिटेड (मुद्रा) के माध्यम से दिए जाते हैं। इसमें शिशु ऋण अधिकतम 50 हजार रुपये, किशोर ऋण 50 हजार से 5 लाख तक व तरुण ऋण 5 लाख से 10 लाख है। मुद्रा योजना के अन्तर्गत लिए जाने वाले ऋणों में किसी भी प्रकार की सब्सिडी का प्रावधान नहीं है। इस ऋण में पात्रता आयु 18 वर्ष न्यूनतम, आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र वांछित है।

विश्व एड्स दिवस : दिनांक 01.12.2025 को जन शिक्षण संस्थान, देहरादून कार्यालय के सभागार मे विश्व एड्स दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर निदेशक, श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, स्थानीय ए.एन.एम सुश्री स्वाति रमोला, संस्थान के कार्यकर्ता, संदर्भदाता, प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाएँ सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान की कार्यालय सहायिका सुश्री रीता यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। तत्पश्चात ए.एन.एम. सुश्री स्वाति रमोला ने एड्स सम्बन्धित बीमारी के विषय में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बीमारी में प्रतिरोधक क्षमता पर प्रभाव पड़ता है जिससे व्यक्ति में अक्सर संक्रमण के कारण सर्दी, जुखाम, खाँसी, टी.बी. इत्यादि रोग आसानी से हो जाते है। एड्स एक ऐसी लाइलाज बीमारी है जिसका अभी तक किसी प्रकार का उचित उपचार भी नही है। इसलिए हम सभी को सावधान रहने की आवश्यकता है।

❑❑❑

मनरेगा नया परिवर्तित स्वरूप वी.बी.–जी–राम (जी) की मुख्य बातें

मनरेगा अर्थात 'महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना' ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2005 में शुरू की गई विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारन्टी योजना है। वर्तमान सरकार ने इसको संशोधित कर विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारन्टी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के नाम से जारी किया है।

यह नई संशोधित योजना संरचना, फंडिंग और कार्यान्वयन व्यवस्था में मनरेगा से काफी अलग है। इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत किया गया। यह योजना दो दशक पुराने महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम (मनरेगा) 2005 का स्थान लेगा। पूर्ववर्ती मनरेगा योजना में कुछ परिवर्तन कर इसे और अधिक उपयोगी बनाया गया है।

नए अधिनियम में प्रावधान : नया अधिनियम केन्द्र सरकार को किसी राज्य में ग्रामीण इलाकों को नोटिफाई करने का अधिकार देता है। इस प्रकार केन्द्र द्वारा नोटिफाई किए गए ग्रामीण क्षेत्रों में ही रोजगार दिया जाएगा। नए अधिनियम का मूल प्रावधान यह है कि हर ग्रामीण परिवार के अकुशल श्रमिक को साल में पूर्व मनरेगा में निर्धारित 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का काम दिया जाएगा। मनरेगा योजना माँग आधारित थी, जिसमें जरूरत के हिसाब से बजट बढ़ाया जा सकता था। परन्तु, नए प्रस्तावित अधिनियम में बजट केन्द्र सरकार के फिक्स्ड बजट के अन्दर ही सीमित किया गया है। इसमें काम करने वाले श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या अधिकतम एक पखवाड़े के भीतर करना अनिवार्य होगा। केन्द्र सरकार की तरफ से नई मजदूरी दर अधिसूचित किए जाने तक अभी मनरेगा के तहत लागू न्यूनतम मजदूरी दरें ही लागू रहेंगी।

नए अधिनियम के तहत सभी कार्यों को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसमें प्रथम- जल सुरक्षा से जुड़े कार्य जैसे- जल संरक्षण, सिंचाई, भूजल स्रोतों का पुनर्जीवन और वृक्षारोपण के कार्य। दूसरे- ग्रामीण बुनियादी ढाँचा जैसे- ग्रामीण सड़कों, पुलों, पंचायत भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूल भवनों, पेयजल, स्वच्छता, सौर ऊर्जा के कार्य। तीसरे- आजीविका से जुड़े ढांचागत कार्य जिसमें- कृषि भंडारण, ग्रामीण हाट, कौशल विकास केन्द्र, पशुपालन और मत्स्य पालन, स्वयं सहायता समूहों के लिए भवन आदि से जुड़े कार्य तथा चौथे- मौसम और आपदा प्रबन्धन से जुड़े कार्य जैसे-बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूस्खलन और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए ढाँचे, शरण स्थल, मरम्मत और पुनर्वास कार्य किए जाएँगे।

खेती के मौसम में काम पर रोक : नई योजना में खेती के पीक सीजन में काम रोकने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। राज्यों को साल में अधिकतम 60 दिन का समय अधिसूचित करना होगा, जिसमें बुवाई और कटाई के दौरान इस योजना के तहत कोई काम नहीं होगा। इससे कृषि कार्यों के लिए मजदूरों की उपलब्धता बनी रहेगी।

बेरोजगारी भत्ता और श्रमिक कार्ड : यदि किसी श्रमिक द्वारा काम मांगने के 15 दिन के भीतर रोजगार नहीं मिलता है, तो मनरेगा की तरह उसे बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। यह भत्ता पहले 30 दिनों के लिए मजदूरी का 25 प्रतिशत और उसके बाद 50 प्रतिशत से कम नहीं होगा। इस भत्ते की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होगी। हर परिवार को ग्रामीण रोजगार गारन्टी कार्ड दिया जाएगा, जिसकी वैधता तीन वर्ष होगी। महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए विशेष कार्ड का प्रावधान किया गया है।

नई संस्थागत व्यवस्था : नई व्यवस्था में निगरानी के लिए गठित राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समितियाँ विभिन्न मंत्रालयों से सामंजस्य स्थापित करेंगी। प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी कार्यक्रम समन्वयक का दायित्व तथा ब्लाक कार्यक्रम अधिकारी मजदूरों की माँग-आपूर्ति, बेरोजगारी भत्ता को मंजूरी देने और समय पर मजदूरी के भुगतान का दायित्व निर्वहन करेगा। योजना के सोशल आडिट का दायित्व ग्राम सभाओं का होगा।

मनरेगा में श्रम लागत का 100 प्रतिशत और मैटीरियल लागत का 75 प्रतिशत फन्ड केन्द्र सरकार देती है और राज्य सरकारें मैटीरियल लागत का 25 प्रतिशत योगदान करती हैं। जबकि नई योजना में राज्यों की हिस्सेदारी में बढ़ोत्तरी की गई है। केन्द्र सरकार हर राज्य के लिए सालाना आवंटन निर्धारित करेगी। बेरोजगारी भत्ता और देरी के मुआवजे का खर्च राज्य सरकारों को उठाना होगा। राज्यों को यह विकल्प भी दिया गया है कि यदि उनके पास समान या बेहतर रोजगार गारन्टी योजना है, तो वे उसे लागू कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव